फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 19 प्रभात जयपुर, रविवार 20 अगस्त, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

When We Almost Shared The Tiger's Dinner

Suddenly from the northern side, a metallic dhak, the call of a sambar deer echoed in the jungle.

Better Smartphone Photos

The smartphone is now the go-to camera - but how can you take the best smartphone photos?

आकाश में ड्रोन्स की गतिविधियां बढ़ रही हैं। तस्वीरें खींचने से लेकर फसलों की निगरानी और सामान की डिलीवरी तक, कई काम अब ड्रोन करते हैं। लेकिन एक प्रश्न यह है कि, पक्षी अपनी टैरिटरी में हो रहे इस हस्तक्षेप से कैसे प्रभावित होते हैं। क्वीन्सलैंड के मोरटन बे क्षेत्र में एक प्रयोग के तहत जब पक्षी झुण्डों की तरफ ड्रोन उड़ाए गए तो यह बात सामने आई कि, कई प्रजातियों पर इसका असर नहीं पड़ता है, बशर्ते कि ड्रोन छोटा हो और 60 मीटर की ऊँचाई के ऊपर उड़ रहा हो। तथापि, ईस्टर्न कर्लू चिड़ियाँ इसका एकमात्र अपवाद पाई गईं। गंभीर रुप से संकटग्रस्त ये चिड़ियाँ ड्रोन से चौंकन्नी हो गईं और उड़कर दूर चली गईं। यहां तक कि, 120 मीटर ऊपर उड़ रहे छोटे से ड्रोन से भी वे काफी सतर्क होती देखी गईं। जब ईस्टर्न कर्लू ने उड़ान भरी तो आसपास मौजूद अन्य पक्षी भी घबरा गए और सभी एक साथ उड़ गए। इससे स्पष्ट हुआ कि, ड्रोन से पक्षियों के आराम और भोजन में व्यवधान पड़ता है और पक्षी उस जगह को हमेशा के लिए छोड़ भी सकते हैं। अगर पक्षियों को उनके पसंदीदा आवास से इसी प्रकार दूर होना पड़ेगा तो उनकी प्रजनन क्षमता प्रभावित होगी और धीरे-धीरे वे लुप्त हो जाएंगे। यह स्थिति ईस्टर्न कर्लू जैसी प्रजातियों के लिए ज्यादा कष्टप्रद है, जो हजारों किलोमीटर दूर से मोरटन बे क्षेत्र में प्रजनन के लिए आती हैं। विश्व की सबसे बड़ी माइग्रेटरी शोर बर्ड, ईस्टर्न कर्लू, के लिए गत कुछ दशक बेहद खराब रहे हैं। वर्ष 2011 की एक रिसर्च से पता लगा था कि, तीन पीढ़ियों में इस प्रजाति की आबादी 80 प्रतिशत तक घटी है। हालांकि अभी तक शोर बर्ड्स की आबादी कम होने में ड्रोन की कोई बड़ी भूमिका सामने नहीं आई है पर इन नतीजों से संकेत मिला है कि, अन्य खतरों के साथ- साथ कोस्ट लाइन पर ड्रोन की मौजूदगी पक्षियों के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है। मोरटन बे फाउण्डेशन द्वारा करवाए गए इस शोध में शोधकर्ताओं ने स्पष्ट मानदंड तय किए हैं कि, पक्षियों को कितनी स्पेस दी जाए जिससे उन्हें ड्रोन्स से न्यूनतम परेशानी हो। शोधकर्ताओं ने कहा है कि ड्रोन 250 मीटर ऊपर संचालित किए जाने चाहिए।

'राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे और प्रियंका वाराणसी से'

सवाल यह है कि, यू.पी. में कांग्रेस की तरफ से इन दिनों अक्सर ऐसे दावे क्यों किए जा रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। क्या राहुल गांधी वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव अमेठी से लड़ेंगे और क्या प्रियंका गांधी वाड्रा वाराणसी से चुनाव मैदान में उतरेंगी? कांग्रेस खेमे की ओर से इन दिनों ऐसे विचारों को क्यों प्रचारित किया जा रहा है?

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राहुल अमेठी से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन बाद में उन्होंने अपने बयान में संशोधन करते हुए कहा कि अमेठी की जनता चाहती है कि राहुल वहां से चुनाव लड़ें। कांग्रेस के सीनियर नेता हरीश रावत ने आज इन अफवाहों को और बल दिया, जब उन्होंने कहा कि राहुल अमेठी और वायनाड, दोनों जगहों से चुनाव लड़ेंगे।

- **पहले तो राहुल गांधी के लिए, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि, अमेठी की जनता चाहती है कि, राहुल अमेठी से चुनाव लड़ें। बाद में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरीश रावत ने इस दावे को यह कह कर मजबूती दी कि, राहुल अमेठी और वायनाड़ दोनों जगहों से चुनाव लड़ेंगे।**
- **प्रियंका के लिए उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि, वे जल्दी ही चुनावी राजनीति में कदम रखेंगी। अजय राय ने भी प्रियंका के वाराणसी से चुनाव लड़ने की बात कही। आश्चर्य की बात है कि, शिव सेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कहा कि, प्रियंका गांधी अगर वाराणसी से चुनाव लड़ती हैं तो अवश्य जीतेंगी।**
- **इधर रायबरेली से सोनिया गांधी के चुनाव लड़ने पर अनिश्चितता है, क्योंकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। चर्चा है कि, सोनिया चुनावी दौड़ से हट सकती हैं। ऐसा हुआ तो रायबरेली सीट बचाने की जिम्मेवारी भी राहुल व प्रियंका पर आ जाएगी।**

जहां तक प्रियंका की बात है तो उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने हाल ही कहा था कि प्रियंका जल्दी ही चुनावी राजनीति में उतरेंगी। अजय राय ने कहा है कि प्रियंका कहीं से भी चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन इसके लिए यदि वह वाराणसी का चयन करती है तो पार्टी कार्यकर्ता उनके लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा देंगे।

आश्चर्यजनक बात यह है कि शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी यह कहते हुए इस विचार का समर्थन किया है कि प्रियंका यदि वाराणसी से चुनाव लड़ती हैं तो वहां से उनका जीतना तय है।

राहुल का अमेठी से चुनाव लड़ना थोड़ा-बहुत तर्कसंगत प्रतीत होता है क्योंकि जो सीट वह वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में स्मृति ईरानी के हाथों 55 हजार वोटों से हार गए थे, उसे पुनः जीतने का प्रयास कर वह यह मैसेज दे सकते हैं कि लोकसभा में 80 सांसद भेजने वाले उत्तर प्रदेश को कांग्रेस ने अभी त्यागा नहीं है।

दूसरा यह कि अमेठी का चुनावी मुकाबला राहुल गांधी को एक ऐसे समय में अपनी भारत जोड़ो यात्रा को भुनाने का मौका देगा, जबकि अल्पसंख्यक मुस्लिम कांग्रेस के पक्ष में लामबंद हो रहे हैं। तीसरा यह कि राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव मैदान में उतारने का निर्णय अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस की सीट शेयरिंग संभावनाओं में तेजी ला सकता है।

इसके साथ ही सोनिया गांधी के चुनाव लड़ने के प्रश्न पर अनिश्चितता बरकरार है कि खराब स्वास्थ्य से जूझ रहीं सोनिया गांधी क्या उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से चुनाव लड़ेंगी। यदि सोनिया वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव ना लड़ने का विकल्प चुनती हैं तो उत्तर प्रदेश में पार्टी और परिवार की विरासत रही इस सीट को बचाने की जिम्मेवारी राहुल और प्रियंका पर होगी। उम्मीद है कि कांग्रेस के यू.पी.2 प्लान का खाका आगामी हफ्तों में तैयार कर लिया जाएगा।

राहुल अपनी बाइक के.टी.एम. 390 से लद्दाख रवाना

20 अगस्त को पैगोंग लेक पर वे अपने पिता राजीव गांधी की जयंती मनाएंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। "भारत की खोज" के अपने अभियान के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज लद्दाख की पैंगोंग लेक के लिए बाइक पर रवाना हुए जहां कल वह अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती मनाएंगे।

लद्दाख का कार्यक्रम मूलतः दो दिन

- **राहुल ने इन्स्टाग्राम पर बाइक चलाते हुए तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे बाइकिंग के लिए आवश्यक सभी चीजों के साथ नजर आ रहे हैं।**
- **बाइक राइडिंग की तस्वीरें और विडियो निस्संदेह युवा वर्ग में राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ाने में सहायक होंगे।**
- **राहुल कारगिल भी जाएंगे, जहां संभवतया वे उमर अब्दुल्लाह के साथ मिलकर एक रैली को भी संबोधित करेंगे। ज्ञातव्य है कि, सितम्बर में लद्दाख ऑटोनॉमस हिल डवलपमैंट काउन्सिल के चुनाव हैं।**

के लिए था, लेकिन 10 सितंबर को होने जा रहे लद्दाख ऑटोनोमस हिल डवलपमैंट काउन्सिल (एल.ए.एच.डी.सी.) कारगिल के चुनावों को देखते हुए उन्होंने अपने कार्यक्रम में बदलाव कर दिया। वह 24 अगस्त को कारगिल जा रहे हैं, जो लेह से 200 कि.मी. दूर है। उम्मीद है कि वह चुनावी गतिविधियों के लिए अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि नैशनल कॉन्फ्रैंस (एन.सी.) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला 25 अगस्त की सुबह हो रही एक सार्वजनिक रैली में राहुल गांधी के साथ मौजूद रह सकते हैं।

कांग्रेस व एन.सी. ने एल.ए.एच.डी.सी. चुनावों के लिए एक गठबंधन बनाने का निर्णय लिया है। हम उम्मीद करते हैं कि अब्दुल्लाह यहां धर्मनिरपेक्ष ताकतों की आवाज को बुलंद करेंगे। कारगिल में भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी बनी हुई है और उक्त दोनों पार्टियां भाजपा को आगे नहीं निकलने देना चाहती।

इस बीच, राहुल गांधी ने अपने ऑफीशियल इन्स्टाग्राम हैण्डिल के जरिए जो तस्वीरें साझा की हैं, उसमें उन्हें के.टी.एम. 390 एडवेंचर बाइक चलाते हुए देखा जा सकता है और अन्य बाइक सवार उनके पीछे चल रहे हैं।

राहुल को बाइक चलाने के दौरान पहने जाने वाले सभी साधनों सहित देखा जा सकता है, जैसे कि हैलमैट, दस्ताने, राइडिंग बूट्स और जैकिट। वह लद्दाख के मनोरम पहाड़ों के बीच बाइक चलाने का आनंद ले रहे हैं।

उनके इन्स्टाग्राम हैण्डिल के कैप्शन में लिखा है-"पैंगोंग लेक की ओर प्रस्थान, जिसके लिए मेरे पिता कहा करते थे कि यह दुनिया के सबसे खूबसूरत स्थानों में से एक है।"

राहुल गांधी ने अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें एक्स पर भी यानी कि पूर्ववर्ती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

एक और सिंधिया समर्थक ने भाजपा छोड़ी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। मध्य प्रदेश के सत्तारूढ़ भाजपा को एक और आघात लगा है, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निष्ठावान रहे समन्दर पटेल कल मध्य प्रदेश कांग्रेस

- **ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक समंदर पटेल कांग्रेस में लौट आए हैं। इससे पहले बैजनाथ सिंह, राकेश गुप्ता भी भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में वापसी कर चुके हैं।**

कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गये।

पार्टी नेताओं के अनुसार, पटेल अपने गृह नगर जवाड़, जो नीमच जिले मे है, से अपने समर्थकों के 1000 से अधिक वाहनों के काफिले के साथ राज्य की राजधानी भोपाल में कांग्रेस पार्टी कार्यालय पहुँचे। पी.सी.सी. प्रमुख कमलनाथ ने कहा, पटेल कांग्रेस की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना में क्या बी.आर.एस. और भाजपा के बीच अंदरूनी सांठगांठ है?

तेलंगाना के राजनैतिक हल्कों में यह सवाल काफी चर्चित है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। तेलंगाना अब पूरी तरह चुनावी "मोड़" में आ चुका है। सत्ता के तीनों प्रतिद्वंदियों- बी.आर.एस. (भारत राष्ट्र समिति), कांग्रेस और भाजपा की तैयारियाँ जोरों पर है। जहाँ कांग्रेस अपने पुनर्स्थापन के लिये मेहनत कर रही है, वहीं भाजपा, सत्तारूढ़ बी.आर.एस. को चुनौती दे रही है।

सत्तारूढ़ बी.आर.एस. की सबसे बड़ी चिन्ता कांग्रेस को लेकर है। इसका साफ संकेत इस बात से मिल रहा है कि इसके तीनों बड़े मंत्री के.टी. रामाराव तथा पुत्री कविता भाजपा की अनदेखी करते हुये, कांग्रेस पर मोर्चाबंदी के साथ हमले बोल रहे हैं। इससे बी.आर.एस. और भाजपा के बीच अन्तर्निहित समझबूझ की अफवाहों को बल मिल रहा है। यह समझबुझ उस समय शुरु हुई प्रतीत हो रही है, जब कविता के दिल्ली

- **तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बी.आर.एस. प्रमुख, के. चन्द्रशेखर राव, उनके पुत्र के.टी. रामाराव व पुत्री कविता, जिस तरह से कांग्रेस पर तीखे हमले कर रहे हैं, उससे इन अफवाहों को बल मिल रहा है कि, बी.आर.एस. और भाजपा में गुप्त समझौता हो गया है।**
- **चर्चा है कि, दिल्ली शराब घोटाले में कविता पर ई.डी. का शिकंजा कसने की वजह से बी.आर.एस. का रूख भाजपा के प्रति नर्म पड़ गया है।**
- **इसी बीच राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस के पक्ष में जो माहौल बना था वह दिनों दिन बढ़ रहा है और बी.आर.एस. व भाजपा के नेताओं का कांग्रेस में आने का सिलसिला बना हुआ है।**

शराब घोटाले से जुड़ाव को लेकर वे ई.डी. के शिकंजे में फँसी थीं। लेकिन सत्तारूढ़ बी.आर.एस. के लिये, कांग्रेस के अलावा, एक बहुत बड़ा खतरा पार्टी के असंतुष्ट तत्व एवं बागी बने हुये हैं क्योंकि चुनावी लड़ाई त्रिकोणात्मक होने के नाते, जीत का अन्तर कम रहने की उम्मीद है।

वर्तमान संकेतों के चलते, बी.आर.एस. यह महसूस कर रही है कि कम से कम 25 विधायकों के लिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रिविलेज पैनल ने 30 अगस्त को अधीर को तलब किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। लोकसभा प्रीविलेज कमेटी ने कांग्रेस ग्रुप नेता अधीर रंजन चौधरी से कहा है कि वे 11 अगस्त को सदन से मिले गये निलंबन पर अपना स्पष्टीकरण देने के लिये 30

- **अधीर रंजन चौधरी से 11 अगस्त के व्यवहार के बारे में सफाई मांगी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि, पैनल निलम्बन को वापस लेने के मूड में है।**

अगस्त को कमेटी के समक्ष उपस्थित हों। ज्ञातव्य है कि मानसून सत्र के अंतिम दिन कथित "दुराचरण" के कारण वे निलम्बित कर दिये गये थे।

भाजपा सदस्य सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली यह कमेटी, मामले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आगामी विधानसभा चुनावों में टिकट मैरिट के आधार पर दिया जाएगा'

निर्णय इस बात पर आधारित होगा कि, विधायक ने अपने क्षेत्र में क्या काम कराया और कैसे कराया तथा कितनी ख्याति (अख्याति) प्राप्त की

जयपुर, 19 अगस्त (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस चुनाव समिति की पहली बैठक शनिवार को जयपुर में संपन्न हुई। इस बैठक के बाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो बयान दिया है उससे ऐसा लगता है कि उदयपुर में हुए चिंतन शिविर में कांग्रेस ने युवाओं को टिकट देने में प्राथमिकता देने का जो संकल्प लिया था, उस पर राजस्थान विधानसभा चुनावों में अमल नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान में टिकट वितरण के फार्मूले को लेकर कहा कि सिर्फ जीतने वाले उम्मीदवार को ही टिकट दिया जाएगा, फिर चाहे वह 90 साल का हो या दो बार हारा हुआ हो। एक तरह से यह कहकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने युवाओं को आगे लाने के कांग्रेस के संकल्प पर पानी फेरने का काम कर दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि चाहे कोई पार्षद हो, चाहे कोई प्रधान हो, चाहे कोई जिला प्रमुख हो, या फिर कोई और, यदि जनता उसके प्रति विश्वास जता रही है तो वह भी उम्मीदवार हो सकता है। मुख्यमंत्री के बयान को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि वर्तमान विधायकों के टिकट काटने की जो बात उठी थी, वह पूरी तरह से निराधार साबित हो सकती है और अधिकांश विधायक फिर से टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

- **कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि, कर्नाटक चुनाव में 90 साल के प्रत्याशी को भी टिकट दिया गया और वह जीत कर आया, यहां भी उसी रणनीति पर अमल होगा।**
- **शनिवार को कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक हुई, बाद में मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने जो कुछ भी कहा, उससे ऐसा लगता है कि, उदयपुर चिंतन शिविर में युवाओं को टिकट देने के संकल्प पर राजस्थान विधानसभा चुनावों में अमल नहीं किया जाएगा।**

शनिवार को कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए विधानसभा चुनाव में युवाओं को अहमियत दिए जाने और बुजुर्गों को टिकट नहीं दिए जाने के सवाल पर कहा कि टिकट वितरण में केवल जिताऊ को ही देखा जाएगा। यही सबसे बड़ा क्राइटेरिया होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक चुनाव में आपने देखा होगा, 90 साल के प्रत्याशी को भी टिकट दिया गया था, वह चुनाव जीतकर आया। इसलिए जो जीत सकता है, उसको ही टिकट दिया जाएगा। गहलोत के इस बयान से साफ है कि राजस्थान के विधानसभा चुनाव टिकट वितरण में उदयपुर घोषणापत्र का पालन नहीं होगा।

गहलोत ने कहा कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और जिला कांग्रेस कमेटी के माध्यम से कार्यकर्ता की भावना नेतृत्व तक पहुंच जाती है। राहुल गांधी बार-बार कहते हैं कि जहां संभव हो, वहां पर स्थानीय निकाय और पंचायती राज के प्रधान, प्रमुख, जिला परिषद मेंबर, पंचायत समिति मेंबर या पार्षद हैं, वे भी टिकट के लिए क्लेम कर सकते हैं। उनको अवसर मिलेंगे। जिनके जीतने की संभावना होगी, उसको प्रायोरिटी दी जाएगी, जो राहुल गांधी ने कहा है, वही भावना चुनाव में आगे बढ़ेगी।

बैठक में बायाडेटा लेने से लेकर पैनल तैयार करने के कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमूल भारत का सबसे बड़ा एफ.एम.सी.जी. ब्राण्ड बना

आणंद, 19 अगस्त (वार्ता)। दूध उत्पादन एवं वितरण के क्षेत्र में दुनियाभर में जाने-माने ब्रांड 'अमूल' ब्रांड ने 72,000 करोड़ रुपये

- **अमूल का मार्केट कैपिटलाइज़ेशन 72 हजार करोड़ रु. के पार पहुँच गया है**

(यू.एस.डी. नौ बिलियन) का समूह कारोबार हासिल किया है।

गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जी.सी.एम.एम.एफ.) की ओर से शनिवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गुजरात के सभी डेयरी सहकारी संघों की सर्वोच्च संस्था तथा अमूल ब्रांड के मार्केटर्स, गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन इस वर्ष अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा है। 1973 में केवल छह सदस्य यूनियनों और 121 करोड़ रुपये के कारोबार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)